साइबेरियन क्रेन, फ्लेमिंगो और ग्रेट व्हाइट पेलिकन

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

साइबेरियाई सारस और फ्लेमिंगो के साथ-साथ, **ग्रेट व्हाइट पेलिकन भी आवास विनाश** के कारण भारतीय आर्द्रभूमि से तेज़ी से दूर जा रहे हैं।

- ये पक्षी मुख्य रूप से **यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में रहते हैं** तथा अधिक सर्दियों के दौरान गर्मी के लिये भारत की ओर प्रवास करते हैं।

प्रजातियाँ	परिचय	संरक्षण स्थिति
साइबेरियाई क्रेन	▪ यह प्रजाति ज़्यादातर पूर्वी एशिया में पाई जाती है, तथा पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों में इनकी संख्या कम है।	**IUCN स्थिति: गंभीर संकटग्रस्त (CR)** **CITES: परिशिष्ट I**
फ्लेमिंगो	▪ अपने चमकीले गुलाबी पंखों के लिये जाने जाने वाले फ्लेमिंगो के पैर और गर्दन की लंबाई अधिक होती है।	**IUCN स्थिति:** **संवेदनशील: एंडियन फ्लेमिंगो** **निकट संकटापन्न:** एंडीन फ्लेमिंगो, पुना फ्लेमिंगो, और चिली फ्लेमिंगो **सीआईटीईएस:** परिशिष्ट **II**
ग्रेट व्हाइट पेलिकन	▪ वयस्क नर मादा से बड़ा होता है। ▪ नर पेलिकन की आँखों के चारों ओर एक गुलाबी धब्बा होता है।	IUCN स्थिति: **कम चिंताजनक**

- **प्रवासन से संबंधित चुनौतियाँ:**
  - **आवास का विनाश:** आर्द्रभूमि का प्रदूषण और अतिक्रमण उनके प्रवास में बाधा उत्पन्न करता है।
  - **जलवायु परिवर्तन:** बढ़ते तापमान से उनके शीतकालीन पैटर्न पर असर पड़ता है।
  - **एंटीबायोटिक प्रदूषण:** खाद्य जाल में एंटीबायोटिक्स का उत्सर्जन भी इन सुंदर सफेद पक्षियों के प्राकृतिक आवासों को बाधित कर रहा है।

और पढ़ें: [आर्द्रभूमि]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/siberian-cranes,-flamingos-and-great-white-pelicans